हन्ना अरेण्ट - HANNAH ARENDT.
1906 — 1975

प्रमुख रचनाएं - 1. The Origin of Totalitarianism 1951
2. The Human condition 1958
3. ON Revolution 1963
4. ON violence 1970
5. The Life of the mind 1978.

सर्वाधिकारवाद — यह हन्ना का का प्रसिद्ध चिन्तन है। हन्ना के अनुसार सर्वाधिकारवाद शक्ति के संकेन्द्रण का आधुनिक तरीका है। प्राचीन समय में या आधुनिककाल के पूर्व राजतंत्रों को इसकी जरूरत नहीं पड़ती थी, शक्ति पहले से ही संकेन्द्रित होती थी। आधुनिक समय में इसका संकेन्द्रण जनआन्दोलनों द्वारा सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के नाम पर किया जाता है। जबकि वास्तविक उद्देश्य सत्ता पर कब्जा करना होता है। सत्ता पर कब्जे के बाद लोगों को पता चलता है कि कोई परिवर्तन नहीं हुआ बल्कि हालात पहले से अधिक बदतर हो गए। वह इटली के फॉसीवाद, जर्मनी के नाजीवाद और रूस के साम्यवाद का उदाहरण देकर बताती है कि यहां लोगों की भलाई के नाम पर पुरानी व्यवस्था को उखाड़फेंक नयी व्यवस्था, जन आन्दोलनों और क्रांति के माध्यम से बनाई गयी लेकिन हालात पहले से बदतर हो गए। इसलिए सर्वाधिकारवाद आधुनिक समय के शासन की एक प्रमुख विशेषता है। उनकी कुछ प्रमुख विशेषताएं एवं आधार के बताती हैं -

1 - छद्म वैज्ञानिक दृष्टि
2 - विचारधारा
3 - इतिहास एवं संस्कृति का गुणगान
4 - नेतृत्व पूजा
5 - अबौद्धिकवाद
6 - उग्रराष्ट्रवाद
7 - व्यवस्था परिवर्तन का नारा
8 - जनहित और राष्ट्रहित के नाम पर सत्ता का केन्द्रीकरण.

Dr. S.HUSAIN

Dr. S.HUSAIN

स्वतंत्रता सम्बन्धी विचार ON LIBERTY: हन्ना ने मानवीय गतिविधियों के तीन स्तर बताए हैं- ① श्रम Labour ② कार्य - work ③ Action - कार्यवाही।

1- श्रम - का सम्बन्ध उत्पादन से है

2- कार्य - का सम्बन्ध लाभ हेतु उत्पादन एवं विकास से है।

3- कार्यवाही - यह उत्कृष्ट गतिविधि है इसका सम्बन्ध सामाजिक और राजनीतिक अन्तः क्रिया से है। हन्ना के अनुसार वास्तविक स्वतंत्रता का सम्बन्ध इसी रचनात्मक गतिविधि से है। इसी से विचार की स्वतंत्रता पैदा होती है। इसका आदर्श रूप प्राचीन यूनान में दिखायी देता है।

आधुनिक युग में पूंजी सम्बद्ध "लाभ" के लिए होता है इसलिए श्रम और कार्य की गतिविधियां ही प्रधान हैं और Action या अन्तःक्रिया लगभग समाप्त हो गयी है या दब गयी है। सर्वाधिकारवादी तत्वों की इसमें बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। Public Interaction पारस्परिक अन्तःक्रिया पर आधारित होने के कारण हन्ना की स्वतंत्रता को रचनात्मक स्वतंत्रता मानी जाती है।

गृहकार्य - ASSIGNMENT -

प्रश्न - हन्ना अरेन्ड्ट की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए

प्रश्न - सर्वाधिकारवाद की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

प्रश्न - हन्ना ने जनआन्दोलनों को क्यों सर्वाधिकारवाद का एक कारण माना है।

प्रश्न - सर्वाधिकारवाद यथास्थिति को क्यों बनाए रखना चाहता है?

प्रश्न - हन्ना ने मानवीय गतिविधियों के कितने स्तर बताए हैं, उनकी व्याख्या कीजिए।

प्रश्न - स्वतंत्रता पर हन्ना के विचारों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न - सर्वाधिकारवाद पर हन्ना के विचारों की व्याख्या करें।